Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to transfer 'Asthi Kalash' of Lord Buddha from National Museum of India, Delhi to National Museum, Kapilvastu in Siddharthnagar district, Uttar Pradesh and also set up a Meditation centre at Kapilvastu for Buddhist pilgrims-laid.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): भगवान गौतम बुद्ध की जन्मस्थली कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर जहाँ बौद्ध धर्म के मानने वाले लाखों पर्यटक प्रतिवर्ष कपिलवस्तु आने में अपना सौभाग्य मानते हैं | कपिलवस्तु में पर्यटक आने के बाद वहाँ के इतिहास को जानने की जिज्ञासा रखते हैं| इसी क्रम में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने एक राष्ट्रीय संग्रहालय की स्थापना पिपरहवा कपिलवस्तु में की हैं | उसके अंतर्गत कपिलवस्तु में Department of Archaeology एवं कोलकाता विश्वविध्यालय के समस्त खुदाई से प्राप्त वस्तुओं को उक्त संग्रहालय में रखा गया है| लेकिन यहाँ से खुदाई में प्राप्त दो अस्थिकलश वर्तमान समय में राष्ट्रीय संग्रहालय दिल्ली में रखे हुए हैं, जबकि गौतम बुद्ध ने जीवन के प्रारम्भिक 29 वर्ष कपिलवस्तु में ही व्यतीत किये थे | इसलिए बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए कपिलवस्तु अत्यंत महत्वपूर्ण है | यदि एक अस्थिकलश वहाँ से राष्ट्रीय संग्रहालय पिपरहवा, कपिलवस्तु में स्थिति कर दी जाय तो बौध धर्म को मानने वाले लाखों पर्यटक प्रतिवर्ष सारनाथ, कपिलवस्तु, कुशीनगर एवं श्रावस्ती के साथ साथ अस्थिकलश के भी दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त कर सकेंगे जिससे देश एवं प्रदेश को काफी विदेशी मुद्रा से राजस्व में वृद्धि होगी | तथा ध्यान लगाना बुद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण पहलू है । इसलिए बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए संग्रहालय के पास एक ध्यान केंद्र होना भी आवश्यक है|

अतः सरकार से मांग है कि भगवान बुद्ध का एक अस्थिकलश राष्ट्रीय संग्रहालय कपिलवस्तु में उपलब्ध करने हेतु भारतीय राष्ट्रीय संग्रहालय पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग को निर्देशित करें और बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए एक ध्यान केंद्र की स्थापना करवाने की कृपा करें |

HON. CHAIRPERSON: Now, let us resume the discussion on the General Budget. Today, the first speaker is Dr. Farooq Abdullah Ji.

17.41 hrs